



बिहार गजट

असाधारण अंक

बिहार सरकार द्वारा प्रकाशित

15 आश्विन 1938 (श०)

(सं० पटना 865) पटना, शुक्रवार, 7 अक्टूबर 2016

जल संसाधन विभाग

अधिसूचना

19 अगस्त 2016

सं० 22 नि० सि० (दर०)-16-01 / 2011 / 1777—श्री उपेन्द्र कुमार, तत्कालीन अधीक्षण अभियन्ता, पश्चिमी कोशी नहर अंचल, झंझारपुर द्वारा अपने उक्त पदस्थापन काल में बरती गई कठिपय अनियमिताओं के संबंध में मुख्य अभियन्ता, दरभंगा द्वारा श्री कुमार के विरुद्ध आरोप पत्र प्रपत्र—“क” विभाग में समर्पित किया गया। उक्त आरोप पत्र में उल्लेखित आरोपों के संबंध में विभागीय पत्रांक 168 दिनांक 14.02.11 द्वारा श्री कुमार से स्पष्टीकरण किया गया। श्री कुमार द्वारा समर्पित स्पष्टीकरण की समीक्षा की गई। सम्यक समीक्षोपरान्त श्री कुमार के स्पष्टीकरण को असतोषजनक पाते हुए इनके विरुद्ध विभागीय कार्यवाही संचालित करने का निर्णय सरकार द्वारा लिया गया। फलतः विभागीय सकल्प सह परित ज्ञापांक 567 दिनांक 30.05.12 द्वारा बिहार सरकारी सेवक (वर्गीकरण, नियंत्रण एवं अपील) नियमावली 2005 के नियम 17 के तहत श्री कुमार के विरुद्ध विभागीय कार्यवाही संचालित की गई।

विभागीय कार्यवाही संचालन के कालक्रम में श्री कुमार दिनांक 31.05.12 को सेवानिवृत हो गये। मामले के समीक्षोपरान्त श्री कुमार के विरुद्ध बिहार सरकारी सेवक (वर्गीकरण, नियंत्रण एवं अपील) नियमावली 2005 के नियम 17 के तहत संचालित विभागीय कार्यवाही को बिहार पेंशन नियमावली के नियम 43 (बी०) में सम्परिवर्तित करने का निर्णय लिया गया। फलतः अधिसूचना सं०-932 दिनांक 23.08.12 द्वारा श्री कुमार के विरुद्ध संचालित विभागीय कार्यवाही को बिहार पेंशन नियमावली के नियम 43 (बी०) में सम्परिवर्तित किया गया।

विभागीय कार्यवाही में संचालन पदाधिकारी द्वारा समर्पित जॉच प्रतिवेदन की समीक्षा सरकार के स्तर पर की गई। सम्यक समीक्षोपरान्त प्रमाणित आरोप के बिन्दु पर श्री कुमार से द्वितीय कारण पृच्छा करने का निर्णय लिया गया। फलतः विभागीय पत्रांक 1099 दिनांक 13.05.15 द्वारा श्री कुमार से द्वितीय कारण पृच्छा किया गया।

श्री कुमार द्वारा समर्पित द्वितीय कारण पृच्छा के जबाब की समीक्षा सरकार के स्तर पर की गई। सम्यक समीक्षोपरान्त पाया गया कि बिहार पेंशन नियमावली के नियम 43 (बी०) के अन्तर्गत किसी कर्मी के विरुद्ध विभागीय कार्यवाही उसी परिस्थिति में चलाई जा सकती है जब कर्मी ने अपने पदस्थापन काल के दौरान सरकार को गंभीर क्षति पहुँचाई हो अथवा वह ग्रेव मिस्कन्डक्ट का दोषी रहा हो। प्रपत्र—“क” में गठित आरोप न तो वित्तीय क्षति से संबंधित है और न ही ग्रेव मिस्कन्डक्ट से। प्रपत्र—“क” में जो आरोप गठित किया गया है उसे संचालन पदाधिकारी ने अप्रमाणित माना है।

ऐसी स्थिति में श्री कुमार द्वारा समर्पित द्वितीय कारण पृच्छा के जबाब को स्वीकार करते हुए श्री कुमार को आरोप मुक्त करने का निर्णय सरकार द्वारा लिया गया।

सरकार के उक्त निर्णय के आलोक में श्री उपेन्द्र कुमार, तत्कालीन अधीक्षण अभियन्ता, पश्चिमी कोशी नहर अंचल, झंझारपुर सम्प्रति सेवानिवृत को आरोप मुक्त किया जाता है।

सरकार का उक्त निर्णय श्री कुमारको संसूचित किया जाता है।

बिहार—राज्यपाल के आदेश से,
जीउत सिंह,
सरकार के उप—सविव।

अधीक्षक, सचिवालय मुद्रणालय,

बिहार, पटना द्वारा प्रकाशित एवं मुद्रित।

बिहार गजट (असाधारण) 865-571+10-डी०टी०पी०।

Website: <http://egazette.bih.nic.in>